



दैनिक जागरण



दैनिक भास्कर



जनसत्ता

Daily

CURRENT AFFAIRS

IAS/PCS

अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान

04 March



Quote of the Day



वक्त आपका है **चाहे** **सोना** बना लो या
फिर **सोने** में गुजर दो....
दुनिया आपकी **उदाहरण** से
बदलेगी **राय** से नहीं



भारत संचार निगम लिमिटेड का पुनरुत्थान

UPSC Syllabus Relevanace

- **UPSC Mains Paper 2**



BSNL

Connecting Bharat

Securely • Affordably • Reliably



चर्चा में क्यों?

- ✓ 17 वर्षों बाद, भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) ने अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही में ₹262 करोड़ का रिकॉर्ड लाभ दर्ज किया।





भारत संचार निगम लिमिटेड के बारे में

गठन:

- ✓ 15 सितंबर 2000 को, तत्कालीन दूरसंचार सेवा विभाग के निगमीकरण द्वारा।

प्रमुख कार्य:

- ✓ 01 अक्टूबर 2000 से, दिल्ली और मुंबई को छोड़कर पूरे देश में दूरसंचार सेवाएँ प्रदान करना।
- ✓ दिल्ली और मुंबई में दूरसंचार सेवाएँ महानगर संचार निगम लिमिटेड (MTNL) द्वारा प्रदान की जाती हैं।



भारत संचार निगम लिमिटेड के बारे में

स्वामित्व:

- ✓ 100% भारत सरकार के स्वामित्व वाला सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम।

शेयर पूंजी:

- ✓ अधिकृत शेयर पूंजी: ₹1,50,000 करोड़।
- ✓ चुकता पूंजी: ₹38,886.44 करोड़।

कुल आय:

- ✓ वित्त वर्ष 2022-23 में कुल आय ₹20,699 करोड़ रही।

15000 करोड़



भारत संचार निगम लिमिटेड का पुनरुद्धार

- ✓ 17 वर्षों बाद पहली बार, अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही में ₹262 करोड़ का लाभ।
- ✓ पिछली बार 2007 में तिमाही लाभ दर्ज किया गया था।

मुख्य कारण:

- ✓ नवाचार ✓
- ✓ नेटवर्क विस्तार ✓
- ✓ लागत अनुकूलन ✓
- ✓ ग्राहक-केंद्रित सेवाओं में सुधार



भारत संचार निगम लिमिटेड का पुनरुद्धार

सेवा क्षेत्र में वृद्धि:

- ✓ मोबिलिटी, फाइबर नेटवर्क और लीज्ड लाइन सेवा में 14-18% वृद्धि।

उपभोक्ताओं की संख्या:

- ✓ जून 2024: 8.4 करोड़
- ✓ दिसंबर 2024: लगभग 9 करोड़



भारत संचार निगम लिमिटेड का पुनरुद्धार

वित्तीय प्रदर्शन में सुधार:

- ✓ वित्तीय लागत और समग्र व्यय में कटौती।
- ✓ घाटे में ₹1,800 करोड़ से अधिक की कमी।

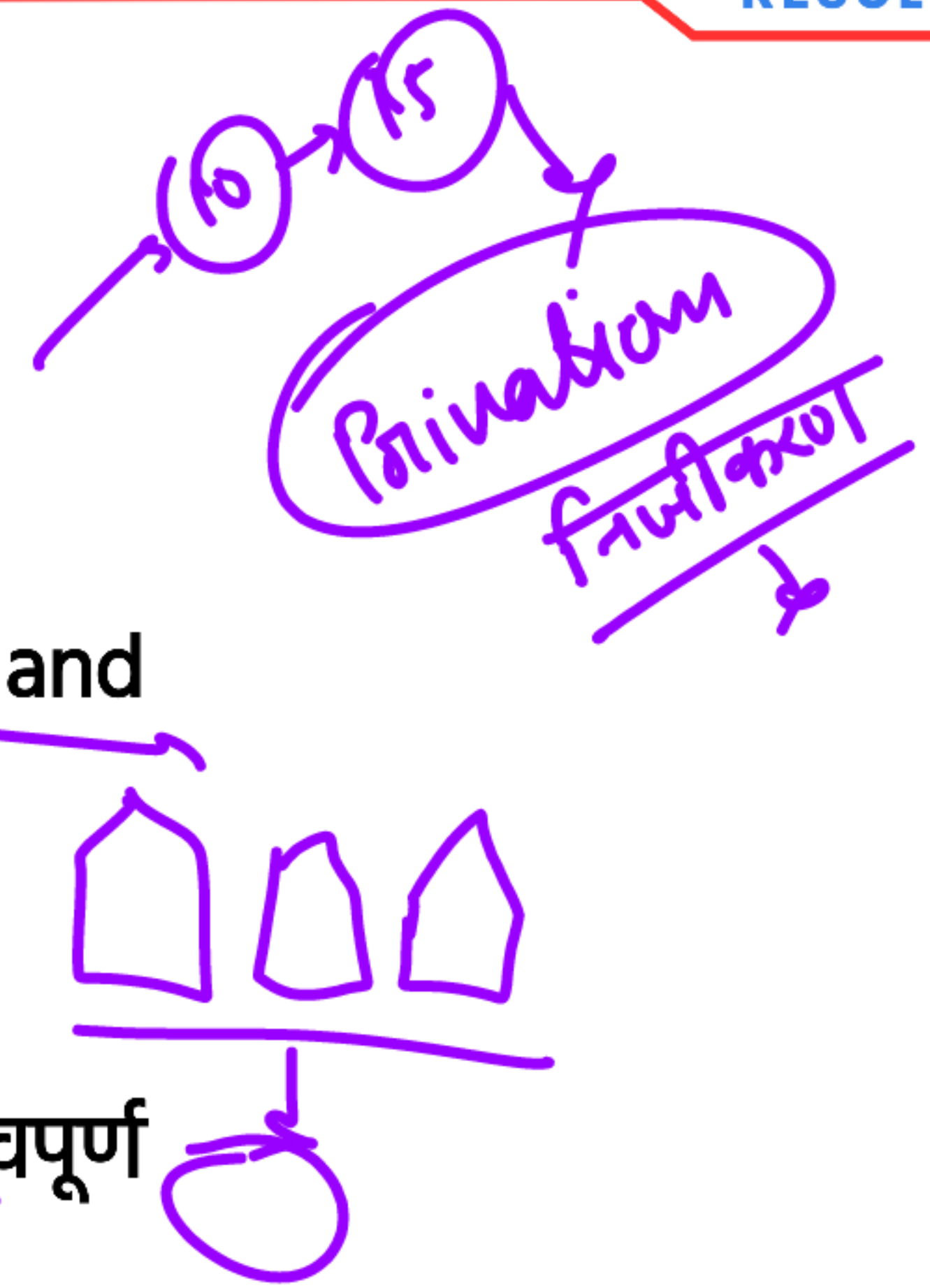


भारत संचार निगम लिमिटेड का पुनरुद्धार

EBITDA में वृद्धि:

- ✓ वित्त वर्ष 2023-24 तक ₹1,100 करोड़ से दोगुना होकर ₹2,100 करोड़।
- ✓ EBITDA (Earnings Before Interest, Taxes, Depreciation, and Amortization)
- ✓ ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय।
- ✓ कंपनी की वित्तीय स्थिति और नकदी उत्पन्न करने की क्षमता का महत्वपूर्ण मापदंड।

व्याज → कर





सरकार द्वारा किए गए प्रयास

EBITDA में वृद्धि:

- ✓ 2019 से पुनरुद्धार पैकेज:
- ✓ ₹3 लाख करोड़ से अधिक का निवेश (BSNL और MTNL में)।

जुलाई 2022 की राहत योजना:

- ✓ BSNL की अधिकृत पूंजी ₹40,000 करोड़ से बढ़ाकर ₹1.5 लाख करोड़।



सरकार द्वारा किए गए प्रयास

4G नेटवर्क विस्तार:

- ✓ 62,000 से अधिक 4G टावर स्थापित।
- ✓ जून 2025 तक 1 लाख से अधिक 4G टावर लगाने का लक्ष्य।

संभावित विलय:

- ✓ BSNL का भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड (BBNL) के साथ विलय, अधिक पूंजी सुनिश्चित करने के लिए।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) की स्थापना 1995 में हुई थी और यह पूरी तरह से भारत सरकार के स्वामित्व में है।
2. BSNL का पुनरुत्थान 2024 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में ₹262 करोड़ के लाभ के साथ हुआ, जो 17 वर्षों में पहली बार हुआ।
3. BSNL का 4G नेटवर्क विस्तार योजना के तहत सरकार ने 62,000 से अधिक 4G टावर लगाने का लक्ष्य 2024 के अंत तक रखा है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 1 और 2 | (b) केवल 2 और 3 |
| (c) केवल 2 | (d) 1, 2 और 3 |



पंचायतों में महिला नेतृत्व की भागीदारी

UPSC Syllabus Relavanace

- **UPSC Mains Paper 2**





- ✓ पंचायती राज मंत्रालय 4 मार्च 2025 को राष्ट्रीय कार्यशाला में "सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान" की शुरुआत करेगा।
- ✓ इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह और श्रीमती अन्नपूर्णा देवी उपस्थित रहेंगे।
- ✓ 1,200 से अधिक महिला पंचायत प्रतिनिधि इस कार्यशाला में भाग लेंगी और लिंग आधारित हिंसा पर कानून की पुस्तिका का विमोचन किया जाएगा।





कार्यक्रम का आयोजन:

✓ स्थान: विज्ञान भवन, नई दिल्ली //

✓ तिथि: 4 मार्च 2025 //

मुख्य अतिथि:

✓ श्री राजीव रंजन सिंह (केंद्रीय पंचायती राज मंत्री)

✓ श्रीमती अन्नपूर्णा देवी (केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री)

✓ प्रो. एसपी सिंह बघेल (केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री)

✓ श्रीमती रक्षा निखिल खडसे (केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री)



कार्यक्रम का आयोजन:

अन्य प्रमुख प्रतिभागी:

- ✓ श्री विवेक भारद्वाज (पंचायती राज मंत्रालय के सचिव)
- ✓ श्री सुशील कुमार लोहानी (अपर सचिव, पंचायती राज मंत्रालय)
- ✓ विभिन्न मंत्रालयों/विभागों, एसआईआरडी एंड पीआर, यूएनएफपीए और टीआरआईएफ के प्रतिनिधि



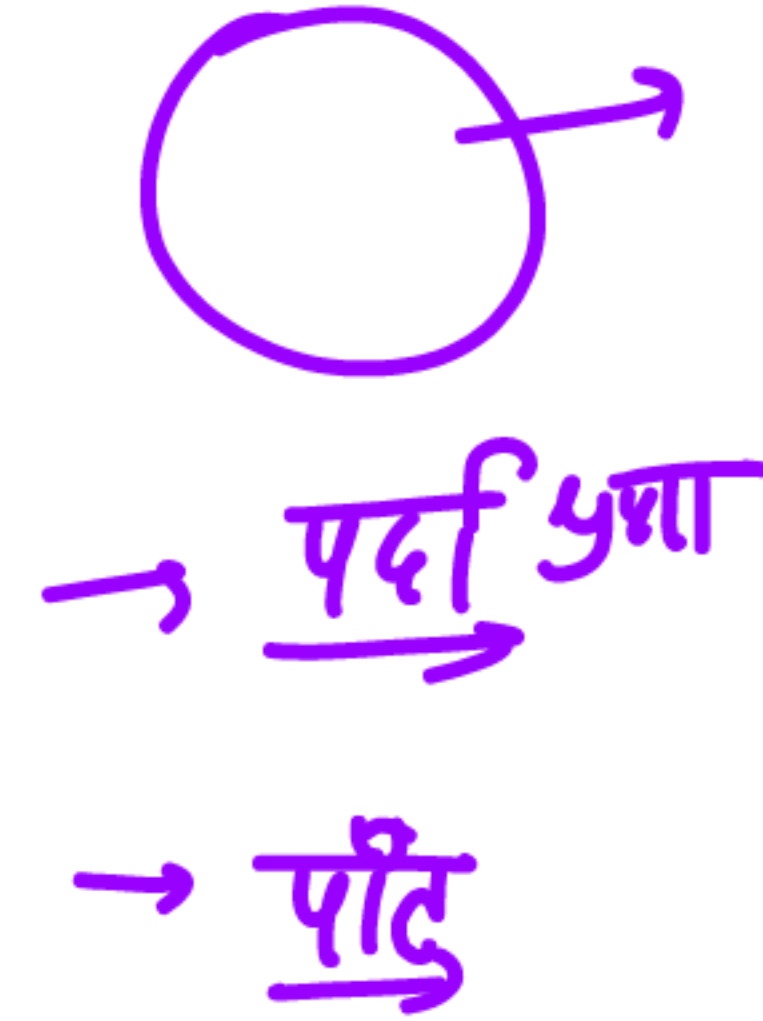
सशक्त पंचायत - नेत्री अभियान:

उद्देश्य:

- ✓ महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों के नेतृत्व कौशल और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाना।
- ✓ जमीनी स्तर पर शासन में उनकी भूमिका को मजबूत करना।

महत्वपूर्ण पहल:

- ✓ महिला नेतृत्व की भूमिका को प्रोत्साहित करना।
- ✓ महिला प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना।





सशक्त पंचायत - नेत्री अभियान:

महत्वपूर्ण पहल:

- ✓ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले राष्ट्रीय मंच पर संवाद स्थापित करना।
- ✓ 1,200 से अधिक पंचायत महिला नेताओं की भागीदारी।
- ✓ सफल महिला पंचायत नेताओं का सम्मान।
- ✓ विशिष्ट प्रशिक्षण मॉड्यूल का शुभारंभ।
- ✓ लिंग आधारित हिंसा और हानिकारक प्रथाओं पर कानून संबंधी प्रशिक्षण।



राष्ट्रीय कार्यशाला की मुख्य विशेषताएं:

महिला पंचायत नेताओं की भूमिका पर पैनल चर्चाएं:

- ✓ “पीआरआई में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व: स्थानीय स्वशासन में भूमिका में बदलाव”।
- ✓ महिला प्रतिनिधित्व में वृद्धि से ग्रामीण शासन व्यवस्था में बदलाव।



महिला-नेतृत्व वाली स्थानीय शासन:

- ✓ स्वास्थ्य और पोषण ✓
- ✓ शिक्षा ✓ *Education*
- ✓ महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा →
- ✓ आर्थिक अवसर
- ✓ डिजिटल परिवर्तन

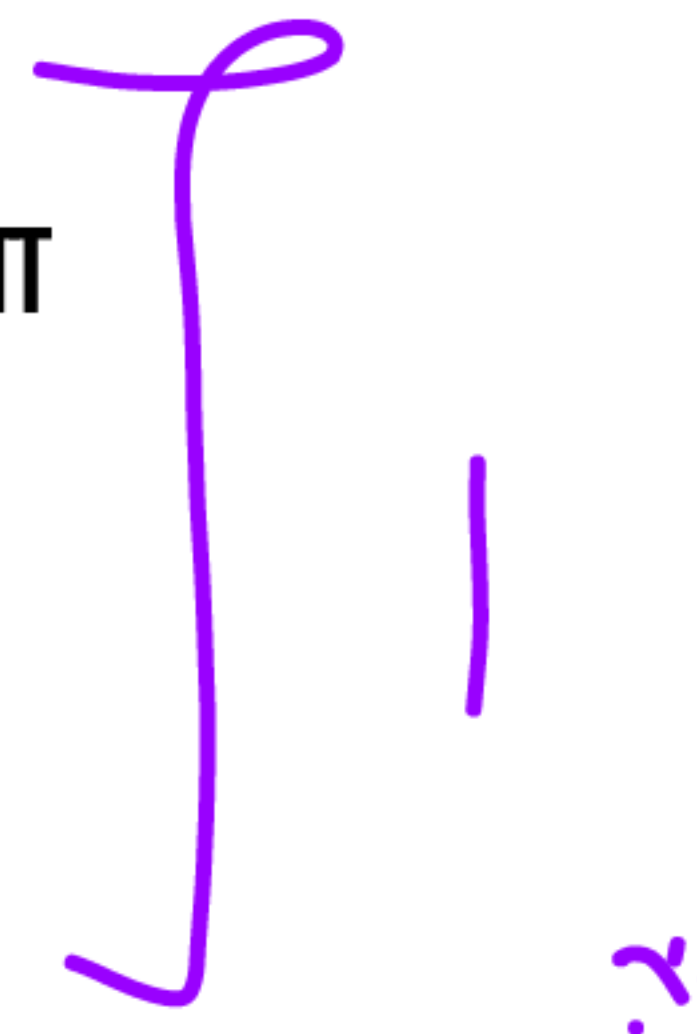




महिला-नेतृत्व वाली स्थानीय शासन:

वरिष्ठ अधिकारी चर्चाओं की अध्यक्षता करेंगे:

- ✓ श्रीमती देबाश्री मुखर्जी (सचिव, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग)
- ✓ श्रीमती अलका उपाध्याय (सचिव, पशुपालन और डेयरी विभाग)

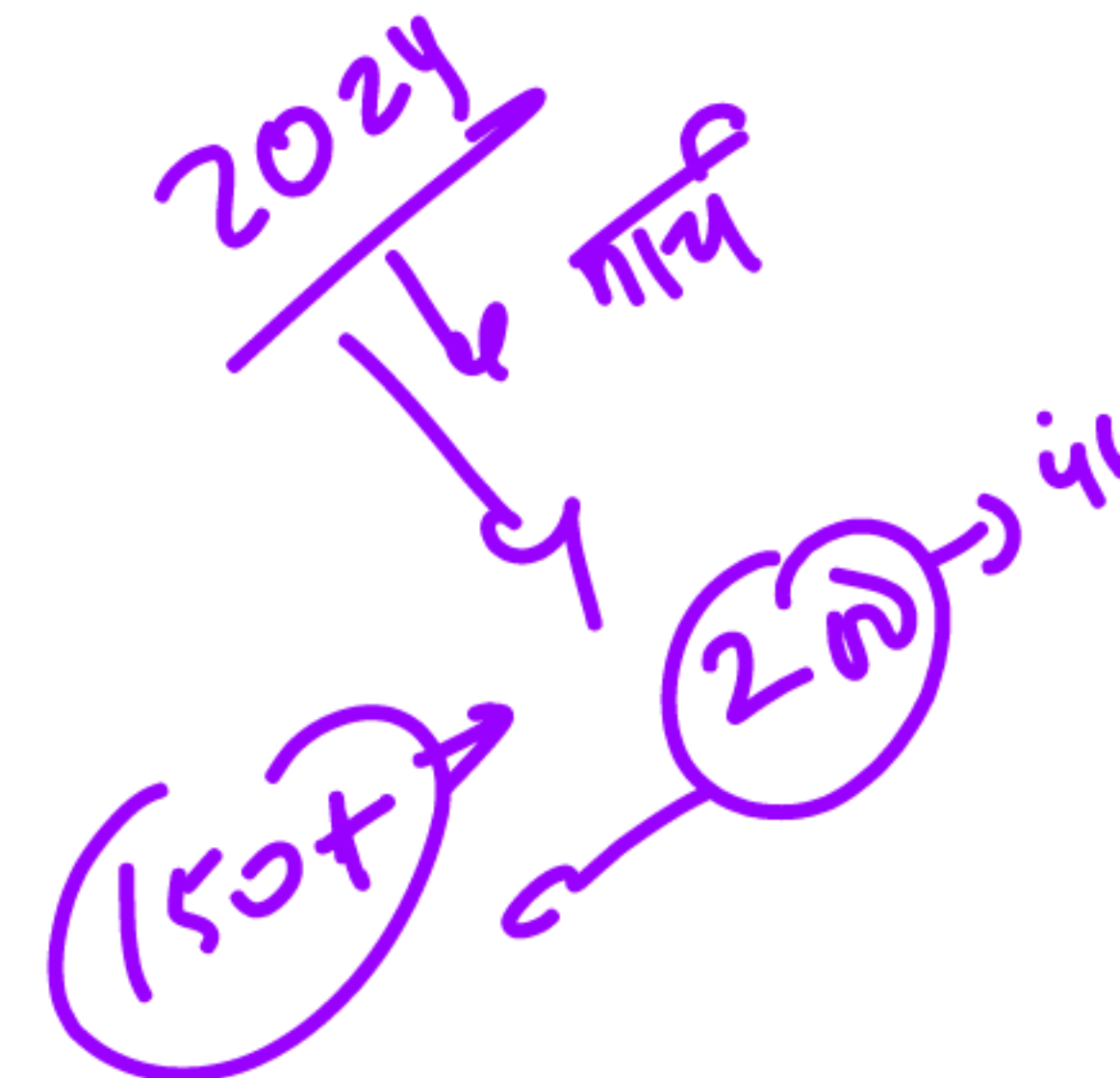




महिला-नेतृत्व वाली स्थानीय शासन:

यूएनएफपीए द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम:

- ✓ महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव।
- ✓ समाज में महिलाओं के योगदान को दर्शाने वाली समृद्ध विरासत का प्रदर्शन।





सरकार की प्रतिबद्धता:

- ✓ यह राष्ट्रीय कार्यशाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 119वें एपिसोड में बताए गए दृष्टिकोण के अनुरूप है।
- ✓ यह पहल ग्राम पंचायतों को सुरक्षित, समावेशी, लिंग-संवेदनशील और सामाजिक रूप से न्यायसंगत बनाने के सरकार के प्रयासों को दर्शाती है।
- ✓ महिलाओं और लड़कियों की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।



CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. "सशक्त पंचायत - नेत्री अभियान" का उद्देश्य महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों के नेतृत्व कौशल और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाना है।
2. इस अभियान का शुभारंभ राष्ट्रीय पंचायत कार्यशाला (2025) में किया जाएगा, जिसमें 2,000 से अधिक महिला पंचायत नेता भाग लेंगी।
3. इस कार्यक्रम में महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को लिंग आधारित हिंसा और हानिकारक प्रथाओं से निपटने के लिए कानून संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

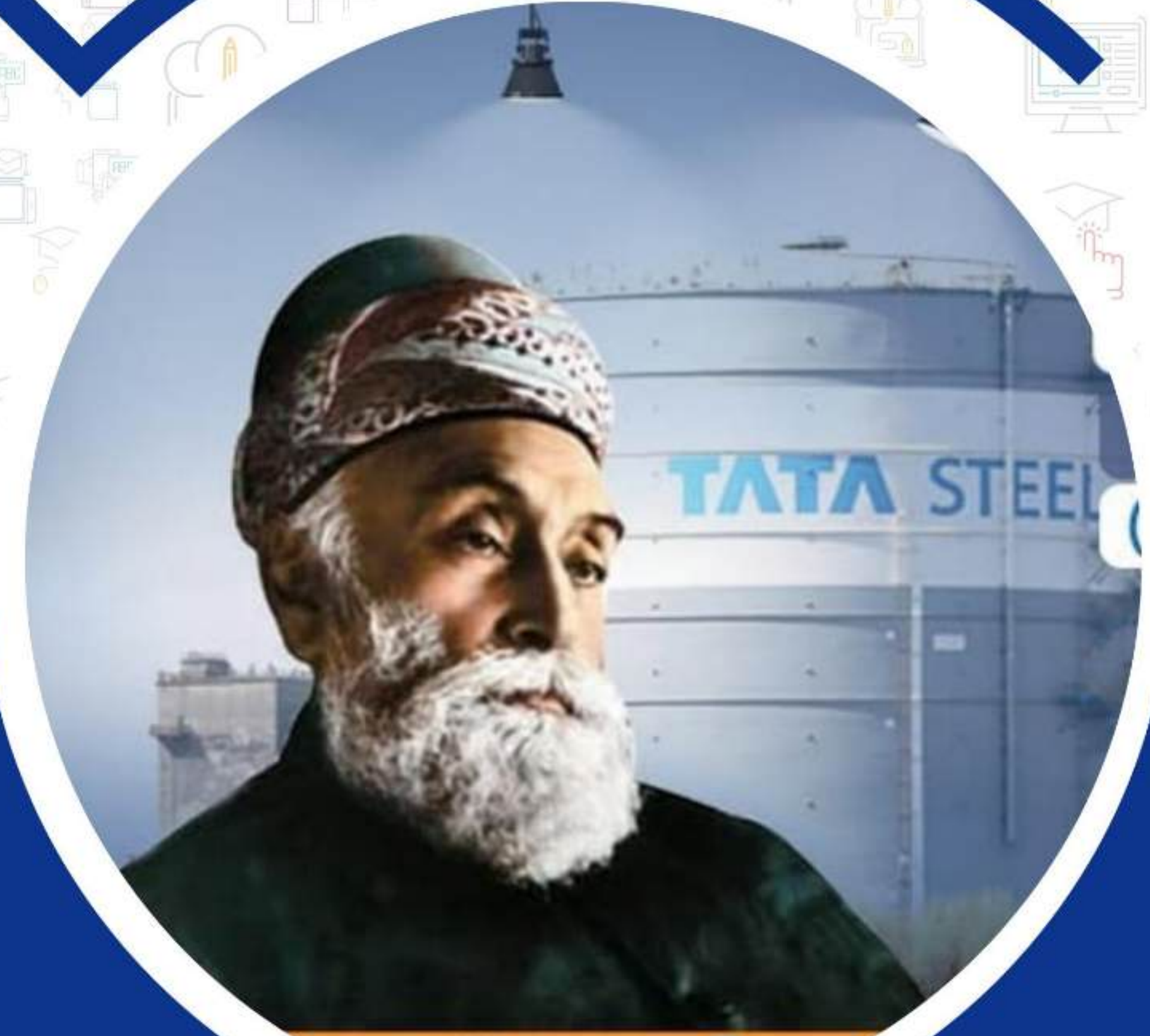
(d) 1, 2 और 3



भारतीय उद्योग के जनक जमशेतजी नुसीरवानजी टाटा

UPSC Syllabus Relevance

- **UPSC Mains Paper 2**



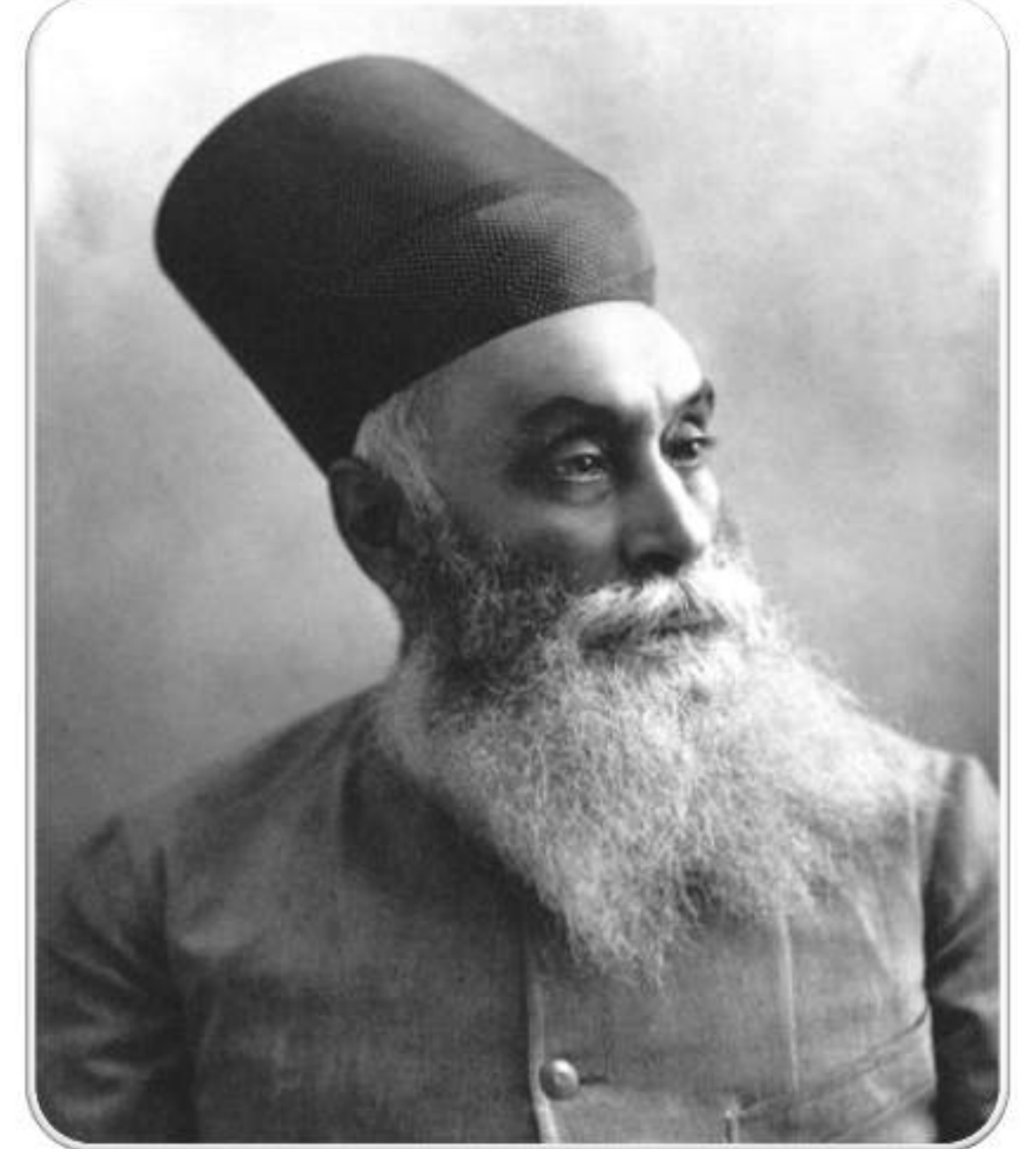
Sinha RK



- ✓ टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा का जन्म 1839 में गुजरात के नवसारी में हुआ।

पारिवारिक पृष्ठभूमि:

- ✓ उनके पिता नसरवानजी टाटा ने एक स्थानीय बैंकिंग व्यवसायी से कारोबार की बारीकियां सीखीं।
- ✓ बाद में वे बॉम्बे (अब मुंबई) गए और एक हिंदू व्यवसायी के साथ कार्य किया।





शिक्षा और प्रारंभिक व्यवसाय:

- ✓ जमशेदजी ने एल्फिंस्टन संस्थान से शिक्षा प्राप्त की। ✓
- ✓ 1858 में ग्रीन स्कॉलर (आधुनिक स्नातक के समकक्ष) के रूप में स्नातक हुए।
- ✓ 1859 में पिता की कंपनी "नसरवानजी एंड कालियंदास, जनरल मर्चेन्ट्स" में शामिल हुए।
- ✓ व्यापार में गहरी समझ विकसित की।
- ✓ हांगकांग में नई शाखा के सह-प्रबंधक के रूप में नियुक्त हुए।

कंपनी



शुरुआती व्यवसायिक चुनौतियां:

- ✓ अमेरिकी गृहयुद्ध (1861-1865) के कारण वैश्विक कपास व्यापार बाधित हुआ।
- ✓ भारत से कच्चे कपास की मांग तेजी से बढ़ी, जिससे कई व्यापारियों ने लाभ कमाया।
- ✓ जमशेदजी बॉम्बे लौटे और प्रेमचंद रॉयचंद के साथ बैंक एशियाटिक बैंकिंग कॉर्पोरेशन की शाखा खोलने में मदद की।



शुरुआती व्यवसायिक चुनौतियां:

- ✓ प्रारंभ में बैंक सफल रहा, लेकिन 1865 में अमेरिकी गृहयुद्ध समाप्त होते ही बाजार में गिरावट आई।
- ✓ चीन बाजार में किया गया निवेश निष्फल हो गया।
- ✓ उन्होंने पूरी जिम्मेदारी ली और ऋणदाताओं से स्थिति स्पष्ट की।
- ✓ उनकी ईमानदारी और नैतिकता के कारण उन्हें फर्म का लिक्विडेटर नियुक्त किया गया।



वस्त्र उद्योग में कदम:

- ✓ 1867 में मैनचेस्टर की यात्रा के दौरान दार्शनिक थॉमस कार्लाइल का व्याख्यान सुना।
- ✓ विचार किया कि भारत में इस्पात उद्योग की स्थापना आवश्यक है।
- ✓ 1869 में बॉम्बे के चिंचपोकली में दिवालिया तेल मिल खरीदी।

चिंचपोकली



वस्त्र उद्योग में कदम:

- ✓ इसे कपड़ा मिल में बदला और नाम 'एलेक्जेंड्रा मिल' रखा।
- ✓ 1874 में नागपुर में सेंट्रल इंडिया स्पिनिंग, वीविंग एंड मैन्युफैक्चरिंग कंपनी की स्थापना की।
- ✓ 1 जनवरी 1877 को एम्प्रेस मिल्स का संचालन शुरू हुआ।



राष्ट्रवाद और परोपकार:

- ✓ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के समर्थक थे और आर्थिक सहयोग दिया।
- ✓ मानते थे कि दान नहीं, शिक्षा से भारत की प्रगति संभव है।
- ✓ 1892 में जे.एन. टाटा एंडोमेंट की स्थापना की, जिससे भारतीय छात्रों को इंग्लैंड में उच्च शिक्षा का अवसर मिला।
- ✓ बेंगलुरु में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (IISC) की स्थापना का सपना देखा।



राष्ट्रवाद और परोपकार:

- ✓ इसके लिए 30 लाख रुपये दान करने का संकल्प लिया।
- ✓ स्वामी विवेकानंद और लॉर्ड कर्जन का समर्थन प्राप्त किया।
- ✓ 1911 में संस्थान स्थापित हुआ, जो उनके निधन के सात साल बाद साकार हुआ।



इस्पात, ऊर्जा और आधुनिक भारत का सपना:

- ✓ भारत में विश्वस्तरीय इस्पात संयंत्र, जलविद्युत ऊर्जा और उन्नत शैक्षणिक संस्थान की स्थापना का लक्ष्य।
- ✓ ब्रिटिश अधिकारियों ने बाधाएं खड़ी कीं, लेकिन 1899 में मेजर माहोन की रिपोर्ट ने संभावनाओं को उजागर किया।



इस्पात, ऊर्जा और आधुनिक भारत का सपना:

- ✓ लॉर्ड कर्जन ने कुछ प्रतिबंध हटाए, पर नौकरशाही की जटिलताओं से संघर्ष जारी रहा।
- ✓ 1912 में उनकी मृत्यु के आठ साल बाद भारत में पहली बार इस्पात उत्पादन हुआ।
- ✓ उनके बेटे दोराबजी टाटा और आर.डी. टाटा ने इस मिशन को आगे बढ़ाया।



जमशेदपुर: श्रमिकों के लिए एक आदर्श शहर

- ✓ 1902 में अपने बेटे दोराबजी टाटा को पत्र लिखा जिसमें एक आदर्श श्रमिक-नगर की परिकल्पना की।
- ✓ चौड़ी सड़कों, बाग-बगीचों, खेल के मैदानों और धार्मिक स्थलों की योजना बनाई।
- ✓ यह विचार जमशेदपुर के रूप में साकार हुआ।



एक विरासत जिसने आधुनिक भारत की नींव रखी

- ✓ औद्योगिक प्रगति, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के प्रति समर्पित जीवन।
- ✓ उनके विचारों ने भारत के पहले इस्पात संयंत्र, जलविद्युत परियोजनाओं और प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों की नींव रखी।
- ✓ वे केवल एक उद्योगपति नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के निर्माता बन गए।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. जमशेदजी टाटा को भारतीय उद्योग का जनक कहा जाता है और उन्होंने 1869 में पहली कपड़ा मिल स्थापित की।
2. उन्होंने भारत में इस्पात उद्योग की स्थापना का विचार 1867 में मैनचेस्टर यात्रा के दौरान दार्शनिक थॉमस कार्लाइल का व्याख्यान सुनने के बाद किया।
3. उनकी परिकल्पना में जमशेदपुर को एक आदर्श श्रमिक नगर के रूप में विकसित करना शामिल था, जिसके लिए उन्होंने 1902 में अपने बेटे दोराबजी टाटा को पत्र लिखा था।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 1 और 2 | (b) केवल 2 और 3 |
| (c) केवल 3 | (d) 1, 2 और 3 ✓ |



वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ डे

UPSC Syllabus Relevanace

- **UPSC Mains Paper 3**

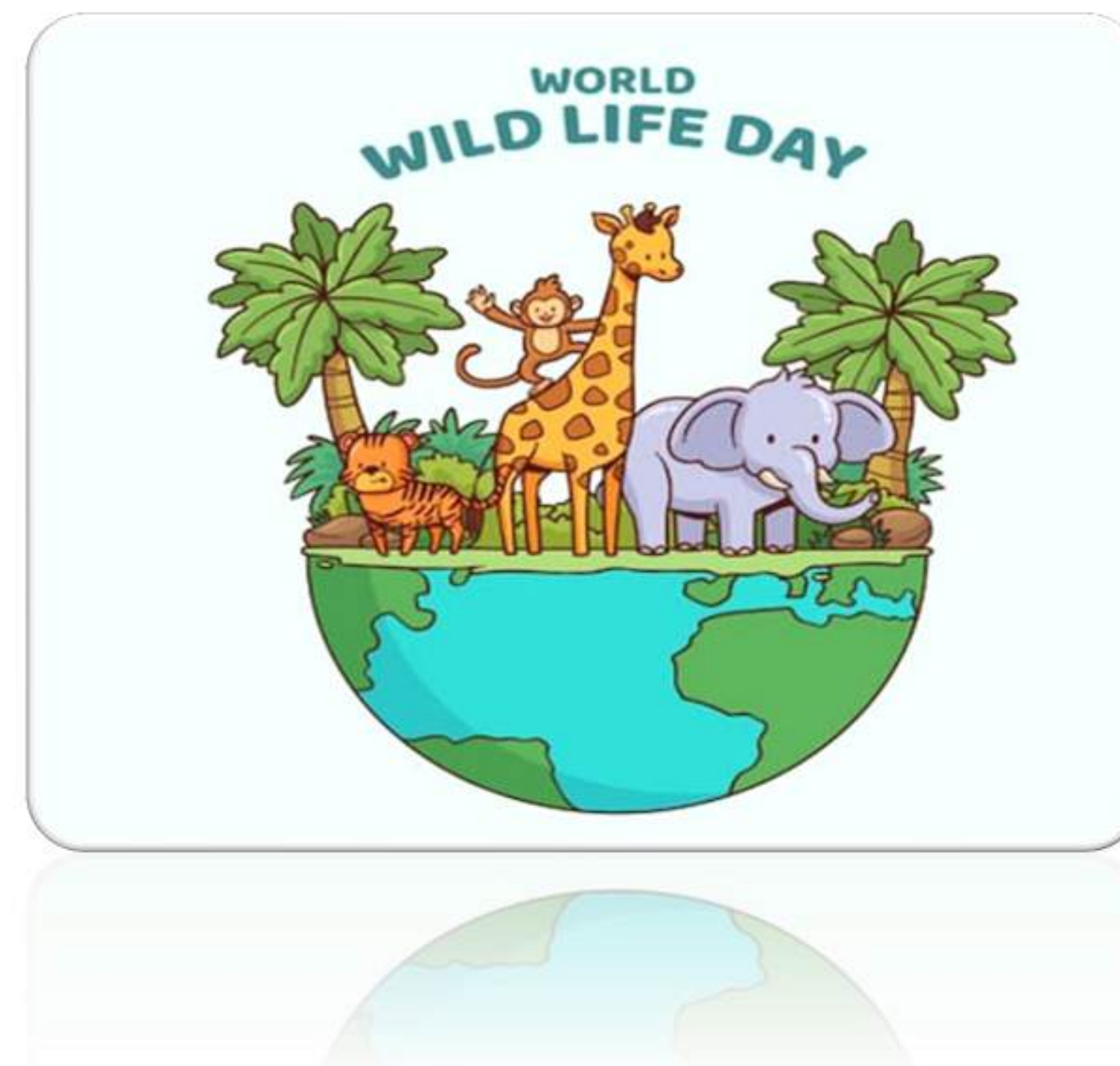




- ✓ संयुक्त राष्ट्र विश्व वन्यजीव दिवस (WWD) हर साल 3 मार्च को मनाया जाता है।

उद्देश्य:

- ✓ जंगली जानवरों और वनस्पतियों का सम्मान करना।
- ✓ वन्यजीवों की अनोखी भूमिकाओं और योगदान को पहचानना।
- ✓ संरक्षण प्रयासों को समर्थन देना और टिकाऊ प्रथाओं को अपनाना।





वन्यजीवों की भूमिका:

- ✓ स्वच्छ हवा, भोजन और स्वस्थ पर्यावरण प्रदान करना।
- ✓ प्रकृति के संतुलन को बनाए रखना।

2025 की थीम:

- ✓ "वन्यजीव संरक्षण वित्त: लोगों और ग्रह में निवेश"
- ✓ वन्यजीव संरक्षण को वित्तपोषित करने के बेहतर तरीकों की खोज।
- ✓ स्थायी भविष्य सुनिश्चित करना।



विश्व वन्यजीव दिवस की स्थापना:

- ✓ 2013 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित।
- ✓ थाईलैंड ने वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिवस का प्रस्ताव रखा।
- ✓ पहली बार 2014 में मनाया गया।





विश्व वन्यजीव दिवस की स्थापना:

महत्वपूर्ण तिथि:

- ✓ 3 मार्च 1973 को CITES (वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन) पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- ✓ CITES का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव व्यापार से प्रजातियों को खतरे से बचाना है।



वन्यजीवों का पारिस्थितिकी तंत्र में महत्व:

भूमिका:

- ✓ पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखना।
- ✓ प्राकृतिक प्रक्रियाओं को नियमित करना।
- ✓ जैव विविधता का समर्थन करना।
- ✓ सतत विकास लक्ष्यों (SDG) को हासिल करने में योगदान देना।



महत्वपूर्ण आंकड़े:

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार:

- ✓ 10 लाख से अधिक प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर।
- ✓ 60,000 वृक्ष प्रजातियां केवल वनों में पाई जाती हैं।
- ✓ 80% उभयचर प्रजातियां और 75% पक्षी प्रजातियां वनों में पाई जाती हैं।
- ✓ 1.6 अरब से अधिक लोगों की जीवनशैली प्रकृति पर निर्भर।

केन-डोटवा लिंक
↓
1 लाख पेड़ों
अवधि



वन्यजीव संरक्षण में निवेश की आवश्यकता:

- ✓ विश्व की आधी से अधिक GDP प्रकृति पर निर्भर।
- ✓ 50,000 जंगली प्रजातियां अरबों लोगों की जरूरतें पूरी करती हैं।
- ✓ कुछ देशों में मत्स्य पालन GDP का 10% योगदान करता है।
- ✓ समुद्री मछली भंडार का एक तिहाई से अधिक हिस्सा अत्यधिक मात्रा में पकड़ा जाता है।





वित्तीय पहल और संरक्षण प्रयास:

वार्षिक निवेश:

- ✓ जैव विविधता संरक्षण में 143 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश।
- ✓ आवश्यक निवेश: 824 अरब अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष।
- ✓ 2030 तक 200 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाने का लक्ष्य।



वित्तीय पहल और संरक्षण प्रयास:

नए वित्तीय मॉडल:

- ✓ ऋण-के-लिए-प्रकृति स्वेप: राष्ट्रीय ऋण को संरक्षण निधि में बदलना।
- ✓ वन्यजीव संरक्षण बांड: निजी निवेश को आकर्षित करना।
- ✓ पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं (PES) के लिए भुगतान: भूमि मालिकों और समुदायों के लिए राजस्व उत्पन्न करना।

कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता रूपरेखा:

- ✓ जैव विविधता के नुकसान को रोकने और उसे उलटने के प्रयास।
- ✓ हानिकारक सब्सिडी को खत्म करने या सुधारने का लक्ष्य।



विश्व वन्यजीव दिवस 2025 का महत्व:

- ✓ वित्तीय नवाचारों और संरक्षण प्रयासों के लिए मंच।
- ✓ सिविल सोसाइटी, सरकार, संगठनों और निजी क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित।
- ✓ जैव विविधता के लिए स्थायी वित्तपोषण सुनिश्चित करने की दिशा में सहयोगी दृष्टिकोण।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. संयुक्त राष्ट्र ने 2013 में 3 मार्च को "विश्व वन्यजीव दिवस" घोषित किया।

2. CITES (Convention on International Trade in Endangered Species)

पर 1973 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे।

3. 2025 की थीम - "वन्यजीव संरक्षण वित्त: लोगों और ग्रह में निवेश" का मुख्य उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण के लिए नए वित्तीय संसाधनों को जुटाना और जैव विविधता के लिए धन सुनिश्चित करना है।

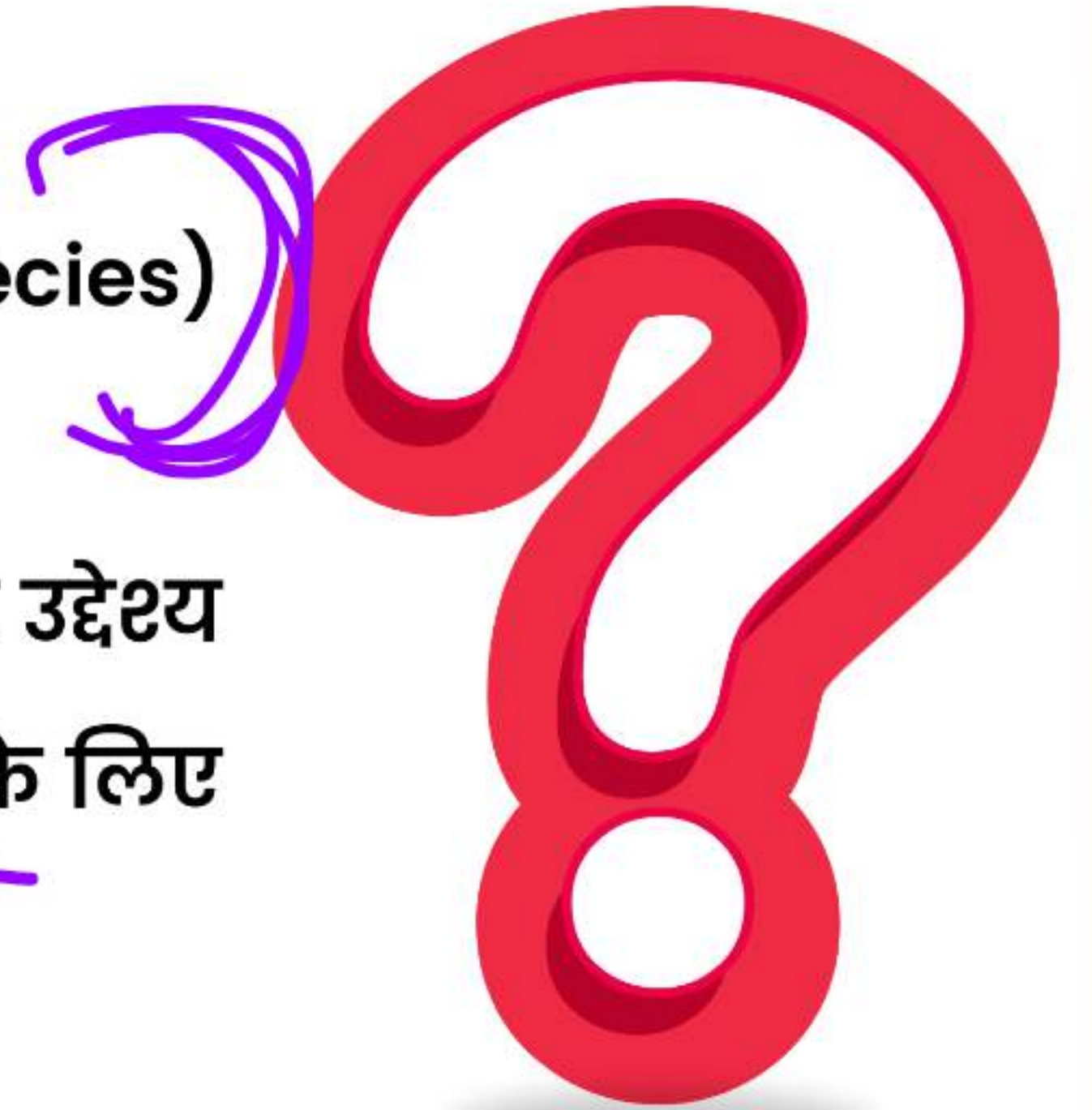
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3



गिलोय वैश्विक शोध में उभरती हुई औषधीय दवा

UPSC Syllabus Relavanace

- **UPSC Mains Paper 3**





गिलोय: वैश्विक अनुसंधान में उभरता सितारा

अनुसंधान में तीव्र वृद्धि

- ✓ वैश्विक मान्यता: बायोमेडिकल और लाइफ साइंसेज के प्रमुख डेटाबेस पबमेड के अनुसार, गिलोय (टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया) पर शोध प्रकाशनों में पिछले एक दशक में 376.5% की वृद्धि हुई।





गिलोय: वैश्विक अनुसंधान में उभरता सितारा

अनुसंधान में तीव्र वृद्धि

- ✓ डेटा विश्लेषण: 2014 में जहां 243 शोध प्रकाशित हुए थे, वहीं 2024 में यह संख्या 913 तक पहुँच गई।
- ✓ बढ़ती रुचि: यह आंकड़े इस औषधीय पौधे की बढ़ती वैश्विक स्वीकृति और चिकित्सा में इसके महत्व को दर्शाते हैं।



कोविड के बाद अनुसंधान में उछाल

- ✓ प्राकृतिक उपचार की खोज: कोविड-19 महामारी के बाद वैज्ञानिकों ने गिलोय के प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले और समग्र स्वास्थ्य सुधारक गुणों पर गहराई से शोध किया।



प्रमुख निष्कर्ष:

- ✓ इम्यूनोमॉड्यूलेटरी (प्रतिरक्षा संशोधित करने वाले) गुण
- ✓ एंटीवायरल और एडाप्टोजेनिक (तनावरोधी) प्रभाव
- ✓ स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञों और वैज्ञानिक समुदाय में गहरी रुचि



सरकार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण

आयुष मंत्रालय की प्रतिबद्धता:

- ✓ वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना ✓✓
- ✓ पारंपरिक चिकित्सा का वैज्ञानिक सत्यापन ✓✓
- ✓ आयुर्वेद और मुख्यधारा की चिकित्सा का एकीकरण



सरकार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण

विशेषज्ञों के विचार:

- ✓ वैद्य राजेश कोटेचा (आयुष मंत्रालय सचिव): "गिलोय जैसी जड़ी-बूटियों का वैज्ञानिक सत्यापन प्राथमिकता है।"
- ✓ प्रो. रविनारायण आचार्य (सीसीआरएएस महानिदेशक): "औषधीय पौधों पर शोध, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान को जोड़ने में सहायक है।"



गिलोय की औषधीय विशेषताएँ

नवीनतम अनुसंधान:

- ✓ कैंसर उपचार: एचपीवी-पॉजिटिव सर्वाइकल कैंसर में गिलोय के अर्क के संभावित लाभ (फरवरी 2025, गुजरात यूनिवर्सिटी)
- ✓ स्वप्रतिरक्षी रोग: इडियोपैथिक ग्रैनुलोमेटस मैस्टाइटिस के प्रबंधन में गिलोय आधारित दवाएँ प्रभावी (जनवरी 2025, टाटा मेमोरियल सेंटर)



गिलोय की औषधीय विशेषताएँ

चिकित्सा क्षेत्र में संभावनाएँ:

- ✓ कैंसर चिकित्सा में उपयोग
- ✓ सूजन और स्वप्रतिरक्षी रोगों के इलाज में प्रभावी
- ✓ समग्र स्वास्थ्य संवर्धन में योगदान

किंगडम



आयुष मंत्रालय की पहल

तकनीकी डोजियर जारी:

- ✓ वैज्ञानिक अनुसंधान और चिकित्सीय अनुप्रयोगों का संग्रह
- ✓ पारंपरिक चिकित्सा में साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण को प्रोत्साहन
- ✓ आधुनिक शोधकर्ताओं और चिकित्सकों के लिए उपयोगी संसाधन



भविष्य की संभावनाएँ

आयुर्वेद और विज्ञान का समन्वय:

- ✓ पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा का संगम
- ✓ प्राकृतिक चिकित्सा समाधान के रूप में गिलोय की स्वीकृति में वृद्धि
- ✓ भारत का हर्बल चिकित्सा में वैश्विक नेतृत्व मजबूत होने की संभावना



निष्कर्ष:

- ✓ वैज्ञानिक शोध और नवीन खोजों के चलते गिलोय वैश्विक मंच पर छा रहा है। जैसे-जैसे दुनिया प्राकृतिक और पौधों पर आधारित उपचारों की ओर बढ़ रही है, भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान बन सकती है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. बायोमेडिकल और लाइफ साइंसेज के वैश्विक डेटाबेस पबमेड के अनुसार, गिलोय (टिनोस्पोरा कॉर्डिफ़ोलिया) पर शोध प्रकाशनों की संख्या 2014 से 2024 के बीच 376.5% बढ़ी है।
2. कोविड-19 महामारी के बाद गिलोय पर अनुसंधान में कोई विशेष वृद्धि नहीं देखी गई, क्योंकि यह पहले से ही चिकित्सा में व्यापक रूप से उपयोग की जाती रही है।
3. आयुष मंत्रालय ने गिलोय पर वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक तकनीकी डोजियर जारी किया है, जो चिकित्सीय अनुप्रयोगों को साक्ष्य-आधारित रूप में प्रस्तुत करता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 1 और 3 ✓
- (C) केवल 2 और 3
- (D) 1, 2 और 3



Thank You

